सफलता की कहानी

सफलता की इस कहानी के पात्र केन्दला बखला (उरावं, ST) हैं जो छत्तीसगढ़ राज्य के जिला बलरामपुर के शंकरगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत् ग्राम परेवा के निवासी हैं । केन्दला बखला का परिवार अनुसूचित जनजाति वर्ग से ताल्लुक रखता है एवं ग्राम परेवा में विगत् लगभग 100 साल से भी ज्यादा समय से इनका परिवार निवासरत् है। इनके परिवार में कुल मिलाकर 06 सदस्य हैं एवं बालिग हैं। केन्दला की मुख्य आमदनी का स्रोत कृषि एवं पशुपालन है। केन्दला के के पास 4.40 हेक्टेयर जमीन है जिसका विवरण निम्नलिखित है:

कुल भूमि एकड़ में	खेती करने योग्य भूमि	एक फसलीय भूमि	दो फसलीय भूमि	सिंचित भूमि	असिंचित भूमि	सिंचाई का साधन	पशुधन
11.00	10.30	9.30	2.00	2.00	9.00	नाला	6

इन खेतों में वह हाइब्रिड बीज का प्रयोग करते हुए धान की खेती करते हैं इसके अलावा बहुत थोड़े रकबे में जो नाले के किनारे के खेत हैं उनमें गेहूं की खेती करते हैं। घर के आसपास की जमीन में थोड़े रकबे में मक्के की भी खेती करते हैं

"मै बरसात के समय में वर्षा आधारित खेती जैसे मक्का, धान एवं अरहर अपने खेत के 50 प्रतिशत में बुआई करता था इसके अलावा मेरा जमीन खाली रहता था । सिंचाई का साधन केवल नाला ही था जिससे मेरी पूरी जमीन में सिंचाई होना संभव नही था क्योंकि खेत एक जगह नही है । अब मनरेगा के तहत् 30x30x3 मीटर की डबरी खुदाई की जिससे मैं न सिर्फ अल्प वर्षाकाल में अपनी धान की फसल बचा पा रहा हूं बल्कि डबरी की मेंढ़ों पर फलदार वृक्षारोपण, सब्जी और अरहर भी लगाकर आमदनी प्राप्त कर रहा हूँ। इसके अलावा मैं और मेरी पत्नी ने डबरी निर्माण में 5 सप्ताह कार्य किया जिसके फलस्वरुप मुझे लगभग 6000 रुपये मजदूरी भी मिली

परिवर्तन के कदम– मनरेगा से डबरी निर्माण

केन्दला बखला विगत् वर्ष 2018 के अगस्त–दिसंबर माह में ग्राम परेवा में मनरेगा–BRLF परियोजनांतर्गत् ग्राम विकास की कार्ययोजना निर्माण हेतु वृहद स्तर पर. जब जागरुकता एवं प्रचार–प्रसार अभियान बी.आर एल.एफ.– सरगुजा ग्रामीण विकास संस्थान दल द्वारा किया जा रहा था तब बैंठकों में आना हुआ जिसमें अपने परिवार के विकास एवं आजीविका सुरक्षा एवं समृद्धि संबंधी कार्ययोजना बनाने के बारे में बताया गया। जिसको सुन कर मैंने अपने निजी भूमि पर डबरी निर्माण के लिए मांग किया जिसका ग्राम सभा ने अनुमोदन भी कर दिया। कुछ महीनों पश्चात् माह फरवरी 2019 में मुझे ग्राम रोजगार सहायक ने बताया कि आपका डबरी 30x30x3 मीटर के निर्माण हेतु 2.97 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हो गयी है। पहले तो ये जानकर यकीन नही हुआ क्योंकि इतना जल्दी स्वीकृति होना आश्चर्य से कम नही है जिसके लिए महीनों कई स्तर पर चक्कर लगाना पड़ता है । मैने 2 दिन के अंदर में आसपास के मजदूर साथियों से बात कर एवं तकनीकी लेआउट उपरांत कार्य प्रारम्भ कर दिया। मैनें और मेरी पत्नी ने लगभग 5 सप्ताह मजदूर साथियों के साथ डबरी में काम भी किया और 5 जुन 2019 को कार्य पूर्ण किया जिसमें कुल लागत लगभग 2.55 लाख आयी। अपने डबरी निर्माण कार्य में मैंने और मेरी पत्नी ने लगभग 6000 रुपये मजदूरी के रुप में भी कमाए।

परिवर्तन के कदम– संस्थान द्वारा सब्जी खेती का प्रशिक्षण एवं सहयोग

केन्दला एक किसान हैं और कृषि ही उनकी जीविकोपार्जन का मुख्य स्रोत है। संस्थान द्वारा उन्नत तकनीकी से सब्जी की खेती करना जैसे आलू टमाटर बैंगन लौकी लहसून मिर्च एवं लता वाली सब्जियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पंचायत स्तर पर किया गया जिसमें केन्दला ने सक्रियता से हिस्सा लिया और सब्जी खेती के तरीका के अलावा जीवामृत एवं हाण्डीदवा बनाने का गुर भी

सीखा । इसके अलावा जैविक विधि से बीज उपचार, जीवामृत एवं हाण्डीदवा तैयार करना भी सीखा।

परिवर्तन के कदम– डबरी के मेढ़ पर एवं आस पास में सब्जी खेती

केन्दला के द्वारा मनरेगा अंतर्गत् निर्मित डबरी के मेढ़ पर एवं आस पास के खेतों मे सब्जी की खेती किया जा रहा हैं। वर्षा के समय केन्दला ने डबरी की मेंढ़ों का कटाव रोकने के उद्देश्य से मेंढ़ों पर अरहर एवं सब्जी की खेती किया हैं जिसमें भिण्डी, करेला, लौकी, सेम, झिंगी एवं बरबटी इत्यादि है । वर्तमान् में भी (31 मार्च 2020 की स्थिती में) डबरी की मेंढों पर मिर्च, टमाटर, लौकी एवं करेला जैसी सब्जी की फसल लगी हुई है । जबकि इसके अलावा डबरी के आसपास के 40 डिसमिल रकबे में अलग से मिर्च की खेती एवं 1 एकड़ में गेहूं की खेती लगी है । सरसों की फसल भी डबरी के नजदीक के खेत में 1.5 एकड़ रकबे में पहली बार लगी थी जिसे काट लिया गया है । केन्दला ने बताया कि सब्जी की खेती से उन्हें लगभग 5500 रूपये की आमदनी हुई है।

परिवर्तन के कदम– मछली पालन

केन्दला के द्वारा स्वयं से अपने डबरी में लगभग 700 मछली बीज खरीद कर अपने डबरी में पालन हेतु छोड़ दिया। जिसका मुल्य लगभग 250 है। निकट भविष्य में केन्दला को यह उम्मीद है कि मछली विक्रय से उन्हे कम से कम 5–7 हजार की आमदनी तो हो ही जायेगी साथ ही पूरक पोषण आहार के रुप में उनके परिवार को यह मछली पालन कार्य काम आयेगा ।

समेकित परिणाम:

सफलता की इस कहानी का सुखद एवं स्पष्ट परिणाम यह है कि जहां पूर्व में केन्दला के पास दो फसली एवं सिंचित भूमि मात्र 2 एकड़ थी वहीं इस प्रयास से यह बढ़कर 4.50 एकड़ हो गया है जिसमें अब सुव्यवस्थित खेती करने के अवसर बढ़ गया है तथा भविष्य में आमदनी भी दोगुनी से ज्यादा होने के आसार हैं । स्वयं केन्दला यह कहते हैं कि वे अब डबरी निर्माण हो जाने के बाद पहले की तुलना में ज्यादा कमाई कर सकते हैं । केन्दला नाले के किनारे गेहूं की फसल तो लिया करते थे लेकिन इस वर्ष से उनकी खेती में सरसों की फसल और सब्जी खेती पहली बार नई फसल के रुप में जुड़ी है । डबरी की मेंढ़ो पर फलदार वृक्षारोपण के साथ अरहर, सब्जी की खेती एवं मछली पालन के अवसरों ने केन्दला के सकल आमदनी में प्रत्यक्ष रुप से इजाफा किया है ।

कुल भूमि एकड़ में	खेती करने योग्य भूमि	एक फसलीय भूमि	दो फसलीय भूमि	पूर्व में सिंचित भूमि	पूर्व में असिंचित भूमि	पूर्व में सिंचाई का साधन	डबरी से सिंचित रकबे में वृद्धि
11.00	10.30	9.30	2.00	2.00	9.00	नाला	2.50

तुलनात्मक आमदनी का ब्यौरा:

बेसलाईन सर्वे अनुसार केन्दला की वार्षिक आमदनी (रु.)	आमदनी में वृद्धि के नये आयाम एवं संभावित आमदनी			संभावित कुल वार्षिक आमदनी (रु.)	आमदनी में वृद्धि का प्रतिशत
	मछली पालन (रु.)	सरसों खेती (रु.)	सब्जी खेती		
25000	5000	15000	5500	50500	202%

सामाजिक सोंच में परिवर्तन:

इस प्रयास से जहां एक ओर आमदनी वृद्धि को नई एवं स्थायी दिशा मिली है वहीं दूसरी ओर केन्दला सहित आसपास के अन्य किसानों के लिए एक समझ विकसित करने का जरिया स्थापित हुआ है । प्रायः छोटे किसान डबरी निर्माण को लेकर सजग इसलिए नही होते थे कि डबरी निर्माण से उनकी जमीन कम हो जायेगी लेकिन केन्दला जैसे किसानों के प्रयास से लोगों को यह प्रेरणा मिल रही है कि डबरी निर्माण में गयी जमीन से भी कैसे चतुराई से पहले से ज्यादा कमाया जा सकता है ।

'मैं अपनी पिता की मेहनत एवं परिवार के खेती एवं आमदनी में आये परिवर्तन को प्रत्यक्ष देख रहा हूं एवं इससे प्रेरित होते हुए मैंने यह तय किया है कि अपने सभी तरफ के खेतों में उपयुक्त सिंचाई सुविधा का विकास करते हुए उन्नत तरीके से खेती करने का प्रयास करुंगा जिससे कि परिवार की सकल आमदनी में वृद्धि हो सके । कहीं बाहर पलायन कर कमाने से बेहतर है कि मैं अपने खेतों में व्यवस्थित रुप से खेती कर कमाउं ।

रामकिशुन
पिता– केन्दला, ग्राम– परेवा

भविष्य की योजना:

केन्दला एवं परिवारजन यह सोंच रखते हैं कि सभी खेतों में एक–एक छोटा सा डबरी का निर्माण हो जिससे की सभी खेतों को पानी मिल सके और फसल का उत्पादन अच्छा हों। इसके अलावा जमीन के प्रत्येक हिस्से का कैसे भरपूर इस्तेमाल किया जाये इस हेतु भी केन्दला प्रयासरत् हैं एवं संस्थान के दल के संपर्क में हैं ।